24

कलीसियाः

इसका संगीत (2)

संगीत का प्रकार या उदाहरण

1. **भोज की स्थापना के बाद यीशु और चेलों ने ज़्या किया था (मत्ती 26:30)?**
2. **पौलुस और सीलास ने कैद में अपनी भावनाएं कैसे व्यक्त की थीं (प्रेरितों 16:25)?**
3. **पौलुस ने कैसे कहा कि वह गाएगा (1 कुरिन्थियों 14:15)?**
4. **अन्यजातियों में मसीह की महिमा कैसे होनी थी (रोमियों 15:9; भजन संहिता 18:49)?**
5. **इब्रानियों 2:12 में भजन संहिता 22:22 कैसे पूरी हुई थी?**
   ज़्या इब्रानियों की पत्री के लेखक ने कहा नहीं कि यह पूरी हो गई थी?

संगीत का प्रकार - आज्ञा

1. **पौलुस ने इफिसुस के लोगों को कैसे समझाया (इफिसियों 5:19)?**
2. **उसने कुलुस्से के लोगों को भी कैसे आज्ञा दी (कुलुस्सियों 3:16)?**
3. **इब्रानी मसीहियों ने कौन सा फल भेंट करना था (इब्रानियों 13:15)?**
4. **सब मसीहियों के लिए याकूब के आदेश बताएं (याकूब 5:13)?**

गाए जाने वाले गीत

1. **कौन से तीन प्रकार के गीत गाए जाने थे (इफिसियों 5:19; कुलुस्सियों 3:16)।**
   क. ''भजनों,'' ''स्तुतिगानों'' और ''आत्मिक गीतों'' की परिभाषा दें।
   ''भजन'' शब्द ''भजन संहिता'' से लिया गया है; ''स्तुतिगान'' का सम्बन्ध परमेश्वर की स्तुति करने से है (प्रेरितों 16:25); और ''आत्मिक गीत'' ''परमेश्वर की महिमा करने और लोगों को शिक्षा देने'' के लिए कविता रूप हैं।
   ख. उनका इस्तेमाल आराधना में कैसे होना था? इन सबका इस्तेमाल *गाकर* होना था, बजाकर नहीं।
   ग. आत्मिक, उत्तेजित करने वाले, और मध्य श्रेणी के गीत ज़्या होते हैं?
   (1) आराधना में इनमें से किसका इस्तेमाल होना चाहिए?

(2) ज़्या वे गीत गाए जाने चाहिए जिनसे शारीरिक भावनाएं उज़ेजित हों ?

गाया कैसे जाना चाहिए

1. **गाने के लिए मसीही लोगों ने कैसे तैयार होना था (इफिसियों 5:18, 19; कुलुस्सियों 3:16)?**
2. **पौलुस ने कैसे कहा कि वह गाएगा (1 कुरिन्थियों 14:15)?**
   क. आत्मा से गाने का ज़्या अर्थ है ?
   ख. समझ से गाने का ज़्या अर्थ है ?
   ग. फिर आत्मा और समझ से प्रार्थना कब होती है ?
3. **गाने में, दूसरे व्यज़्ति पर कैसे विचार किया जाता है (इफिसियों 5:19क)?**
   गाने वालों को ''एक दूसरे के साथ'' कैसे बात करनी चाहिए (इफिसियों 5:19क) ?
4. **इसमें मन कैसे शामिल होता है (इफिसियों 5:19; कुलुस्सियों 3:16)?**
5. **स्तुति किसकी होनी चाहिए (इफिसियों 5:19; कुलुस्सियों 3:16)?**
6. **गाने में, कौन सा फल भेंट किया जाना चाहिए (इब्रानियों 13:15)?**
   क. ज़्या ''होंठों का फल'' गाना गाने को नहीं कहते (इब्रानियों 13:15ख) ?
   तो फिर ऐसे गाने में साज़ कैसे बाधा डाल सकते हैं ?
   ख. शोर भरे गानों से परमेश्वर को स्वीकार्य स्तुति में रुकावट कैसे पड़ सकती है ?
   ग. मध्य श्रेणी के गानों से परमेश्वर के स्वीकार्य गीतों में रुकावट कैसे पड़ती है ?
   घ. यदि परमेश्वर द्वारा ठहराई गई सीमाओं को मान लिया जाए तो ज़्या लाभ होगा (प्रकाशितवाज़्य 22:14) ?
   ज़्या उसके वचन का सज़्मान करने से साज़ वाले संगीत बंद नहीं करने पड़ेंगे ?

विचार करने के लिए बातें

1. **ज़्वायर में गाने से कलीसिया द्वारा की जाने वाली परमेश्वर को स्वीकार्य स्तुति में कैसे रुकावट पड़ती है?**
2. **भाड़े के गायकों से मण्डली के गाने में ज़्या प्रभाव पड़ता है?**
3. **किसे गाना चाहिए (इफिसियों 5:19; कुलुस्सियों 3:16; याकूब 5:13)?**
4. **आराधना में, यदि कोई गा सकता है, परन्तु नहीं गाता, तो ज़्या वह परमेश्वर को प्रसन्न कर रहा है?**
5. **यदि कोई गा नहीं सकता तो उसे आराधना में भाग लेने के लिए ज़्या करना चाहिए?**
6. **ज़्या गाना आराधना का आवश्यक भाग है (भजन संहिता 119:172; 1 यूहन्ना 5:17)?**
   क. यदि है तो ज़्या गाने की उपासना के प्रति उदासीन होना पाप नहीं है ?
   ख. ''समझ से गाने'' से कौन सी चीज़ निकल जाएगी ?
   पत्र और समाचार पत्र पढ़ना, चुइंगम चबाना, और खुसर-फुसर बातें करना।